



॥ श्री विष्णु व्रत कथा ॥  
भगवान श्री विष्णु श्री विष्णु व्रत कथा से  
भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है

---

# FULL DISCLAIMER

---

*This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.*

*This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.*

*Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.*

*Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.*

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS  
AT YOUR DOOR"

## ॥ श्री विष्णु व्रत कथा ॥

प्राचीन समय में एक नगर में एक निर्धन ब्राह्मण रहता था। वह भगवान विष्णु का परम भक्त था, किन्तु अत्यंत गरीबी के कारण उसका जीवन दुःख और अभाव में बीत रहा था। एक दिन एक महात्मा उसके घर आए। ब्राह्मण ने श्रद्धा से उनका स्वागत किया। महात्मा ने उसकी भक्ति देखकर कहा: “यदि तुम श्रद्धा और नियमपूर्वक भगवान विष्णु का व्रत करोगे, तो तुम्हारे सभी कष्ट दूर हो जाएंगे।” ब्राह्मण ने विधिपूर्वक व्रत आरंभ किया। वह प्रातः स्नान कर पीले वस्त्र धारण करता, भगवान विष्णु की पूजा करता, तुलसी अर्पित करता और “ॐ नमो नारायणाय” मंत्र का जाप करता। कुछ समय बाद भगवान विष्णु उसकी भक्ति से प्रसन्न हुए। उसके घर में धन, अन्न और सुख-समृद्धि आने लगी। परिवार में शांति और आनंद बढ़ गया। नगर के लोग भी उसकी भक्ति की प्रशंसा करने लगे। धीरे-धीरे वह ब्राह्मण न केवल धनवान बना, बल्कि धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलते हुए समाज में सम्मानित भी हुआ। अंत समय में उसे भगवान विष्णु के धाम की प्राप्ति हुई।

### व्रत विधि

प्रातः स्नान करके स्वच्छ पीले वस्त्र पहनें  
पूजा स्थान पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की स्थापना करें  
दीप, धूप, चंदन, पीले पुष्प और तुलसी अर्पित करें  
“ॐ नमो नारायणाय” मंत्र का जाप करें  
विष्णु कथा सुनें या पढ़ें  
आरती करें और प्रसाद बाँटें

### व्रत का महत्व

भगवान विष्णु व्रत को श्रद्धा से करने पर:  
घर में सुख-समृद्धि आती है  
मानसिक शांति प्राप्त होती है  
बाधाएँ दूर होती हैं  
भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।

